हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

गुरुवार 02 अप्रैल 2026 बर्ष 02 अंक 90 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

यूं ही नहीं मिलती मंजिलें एक जुनून सा दिल में जगाना होता है पूछा चिड़िया से कैसे बनाया आशियाना बोली भरनी पड़ती है उड़ान बार–बार तिनका तिनका उठाना होता है.!!

राजगीर में सब–जूनियर हॉकी नेशनल चौंपियनशिप का शानदार आगाज, बिहार–छत्तीसगढ़ मुकाबला 2–2 से ड्रॉ

सब–जूनियर नेशनल हॉकी में हाई वोल्टेज मुकाबला, अभय शाह के दम पर बिहार ने बचाई इज्जत

केशववाणी रानी सिन्हा /शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजगीर खेल अकादमी में आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया सब–जूनियर मेंस नेशनल चौंपियनशिप 2026 का भव्य आगाज बुधवार से हो गया। उद्घाटन दिवस पर खेले गए मुकाबलों में देशभर की टीमों ने दमदार प्रदर्शन किया। दिन का सबसे चर्चित मुकाबला मेजबान बिहार और छत्तीसगढ़ के बीच रहा, जो 2–2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। राजगीर हॉकी स्टेडियम में दर्शकों को पूरे दिन तेज़ रफ्तार, कौशल और रोमांच से भरपूर खेल देखने को मिला, जहां कई टीमों ने जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। मेजबान बिहार ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ बेहतरीन संघर्ष का प्रदर्शन किया। टीम के कप्तान अभय शाह ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल दागे और टीम को बराबरी दिलाई, जबकि छत्तीसगढ़ की ओर से ओम कुमार यादव ने भी दो गोल कर मुकाबले को बराबरी पर बनाए रखा। दोनों टीमों के बीच यह कड़ा मुकाबला अंततः 2–2 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दिन के पहले मुकाबले में हॉकी आंध्र प्रदेश ने असम हॉकी को 3–1 से हराया। पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन दूसरे हाफ में आंध्र प्रदेश ने बढ़त बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। लंका चौतन्य येसु ने 32वें और 45वें मिनट में दो गोल किए, जबकि कप्तान मदुरु गंगा चौतन्य ने 47वें मिनट में एक और गोल जोड़ा। असम की ओर से शुभंकर साहा ने 42वें मिनट में एकमात्र गोल किया।

दूसरे मुकाबले में हॉकी मिजोरम ने ले पुडुचेरी हॉकी को 5–3 से हराया। मिजोरम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए बढ़त बना ली। लालमुआनसांगा ने दूसरे और 14वें मिनट में दो गोल किए, जबकि वानलाल. हमंगइहा, कप्तान जोसेफ मलसावमटलुआंगा और जैकब लालावमपुइया ने एक–एक गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पुडुचेरी की ओर से आर दिवाकर ने दो गोल किए और मादेश ने एक गोल जोड़ा, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मुकाबले में गोअन्स हॉकी ने हॉकी जम्मू एंड कश्मीर को 3–2 से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की।

16वीं हॉकी इंडिया सब – जूनियर मेंस नेशनल चौंपियनशिप 2026

करण कुमार ने 22वें और 44वें मिनट में दो गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि सौरभ कुमार ने 55वें मिनट में निर्णायक गोल किया। मैच के अंतिम क्षणों में जम्मू एंड कश्मीर ने 58वें और 59वें मिनट में लगातार दो गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन समय की कमी के कारण वे बराबरी नहीं कर सके ।डिवीजन बी के मुकाबलों में दिल्ली हॉकी ने तेलंगाना हॉकी को 7–2 से करारी शिकस्त दी। दिल्ली की ओर से आर्यन और सुशांत सहरावत ने दो–दो गोल किए, जबकि रिहान, लव और आशीष ने एक–एक गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। तेलंगाना के लिए जाला यशिथ सूर्य और अठराम संबु ने गोल किए, लेकिन टीम मुकाबले में पीछे रह गई। इसके बाद हॉकी कर्नाटक ने हॉकी हिमाचल को 5–0 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। प्रवीक राजेश यरकल ने दो गोल किए, जबकि प्रथम पूवैय्या, ए सी दैविक पोनन्ना और कप्तान आदर्श गो. विंद मुतागर ने एक–एक गोल कर टीम को शानदार जीत दिलाई। इस प्रकार टूर्नामेंट के पहले दिन ही खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया है और आने वाले दिनों में और भी कड़े मुकाबलों की उम्मीद जताई जा रही है।

नालंदा विश्वविद्यालय में शुरू हुआ दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र

भारत–आसियान संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में शैक्षणिक संस्थान बनेगा मजबूत सेतु – पेरियासामी कुमरन

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय ने 31 मार्च को अपने परिसर में दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कर एक नये अध्याय की शुरुआत की। भारत और आसियान देशों के बीच शैक्षणिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूती देने की दिशा में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है। विशेष बात यह रही कि इस केंद्र का शुभारंभ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के सफल समापन के तुरंत बाद हुआ, जिसने इस अवसर के गौरव को दोगुना कर दिया। सीएसईएएस की स्थापना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस दूरदर्शी सोच का परिणाम है जिसकी घोषणा उन्होंने अक्टूबर 2025 में 22वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन के दौरान की थी। यह केंद्र ज्ञान के आदान–प्रदान और सांस्. तिक संवाद के माध्यम से दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के गहरे जुड़ाव की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस केंद्र का उद्घाटन भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ राजनयिक और यूनाइटेड किंगडम में भारत के उच्चायुक्त पेरियासामी कुमरन द्वारा किया गया। कहा कि भारत–आसियान संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में शैक्षणिक संस्थान एक मजबूत सेतु का कार्य कर सकते हैं और नालंदा इस भूमिका के लिए सर्वथा उपयुक्त है। समारोह में अंतरराष्ट्रीय जगत की कई दिग्गजों ने शिरकत की। इनमें मलेशिया के उप प्रधानमंत्री दातो सेरी अहमद जाहिद हमीदी, भारत में तिमोर–लेस्ते के पहले राजदूत कार्लिटो नुन्स, वियतनाम के उप विदेश मंत्री गुयेन मिन्ह हैंग, कंबोडिया के विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव

सोखोन प्राक, लाओ पीडीआर के उप विदेश मंत्री फोंगसावन सिसौलाथ के साथ भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और विश्वविद्यालय के लोगों ने भी इस मील के पत्थर पर अपने विचार साझा किए। नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि यह केंद्र भारत की श्एक्ट ईस्टश नीति को एक मजबूत शैक्षणिक और बौद्धिक आधार प्रदान करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र न केवल शोध और ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत और दक्षिण–पूर्व एशिया के बीच के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाइयां भी देगा। साथ ही, यह केंद्र समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर एक साझा दृष्टिकोण विकसित करने में भी अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। यह नवनिर्मित केंद्र दक्षिण–पूर्व एशिया के विभिन्न पहलुओं जैसे संस्कृति, अर्थव्यवस्था, शासन, समुद्री अध्ययन और विरासत पर शोध को बढ़ावा देगा। इसका लक्ष्य केवल अकाद. मिक चर्चा तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के नीति–निर्माताओं, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए एक साझा मंच तैयार करेगा। प्राचीन काल में नालंदा जिस प्रकार वैश्विक ज्ञान और बौद्धिक विनिमय का केंद्र हुआ करता था, यह नई पहल उसी गौरवशाली परंपरा को आधुनिक संदर्भ में पुनर्जीवित करने का प्रयास है। यह केंद्र आने वाले समय में भारत और दक्षिण–पूर्व एशिया के बीच ऐतिहासिक कड़ियों को जोड़ते हुए क्षेत्रीय सहयोग के नए द्वार खोलेगा।

अतिक्रमण मुक्त बिहारशरीफ–2026 अभियान शुरू करने का निर्णय, अवैध कब्जों पर चलेगा बुलडोजर

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोट बिहारशरीफ। बिहारशरीफ नगर निगम ने शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए "अतिक्रमण मुक्त बिहारशरीफ–2026" अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत शहर में अतिक्रमणकारियों द्वारा किए गए सभी प्रकार के अवैध कब्जों को हटाया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दंड राशि भी वसूली जाएगी। नगर निगम के अनुसार, मकान और भवनों से निकली अवैध सीढ़ियां , स्ट्रीट लाइन से आगे बढ़कर सड़क पर लगाए गए दुकानों के अतिक्रमण, नालों और सड़कों पर किए गए सभी प्रकार के कब्जों को चिन्हित कर हटाया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम स्तर पर विशेष टीम का गठन किया जाएगा, जिसमें आवश्यक कर्मी और पदाधिकारी सभी जरूरी उपकरणों के साथ तैनात रहेंगे। नगर निगम ने विशेष रूप से मछली मंडी से आनंद पथ होते हुए कुशवाहा धर्मशाला तक स्मार्ट सिटी योजना के तहत नव निर्मित सड़क और नाला के दोनों किनारों पर किए गए अवैध अतिक्रमण पर चिंता जताई है। यहां बिना अनुमति के बड़े पैमाने पर कब्जा कर लिया गया है, जिसे अभियान के तहत हटाया जाएगा। नगर निगम ने सभी अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी है कि वे स्वयं अपने द्वारा किए गए अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटा लें, अन्यथा निगम द्वारा कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाने के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा। नगर आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि "अतिक्रमण मुक्त बिहारशरीफ–2026" अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग करें, ताकि शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सके।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120

पर्व–त्योहारों को लेकर नालंदा प्रशासन अलर्ट, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

चौत्र पूर्णिमा, गुड फ्राइडे, जानकी नवमी, बुद्ध पूर्णिमा सहित विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहार शरीफ (नालंदा) । आगामी चौत्र पूर्णिमा, गुड फ्राइडे, जानकी नवमी, बुद्ध पूर्णिमा सहित विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, विधि–व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला पदा. धिकारी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी आयोजन में जन–सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही को गंभ. ीरता से लिया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने–अपने क्षेत्रों में संभावित भीड़–भाड़ वाले स्थलों की पहचान कर अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक माह का "इवेंट कैलेंडर" तैयार कर, संभावित भीड़ के आकलन के आधार पर समुचित प्रबंधन किया जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा। आयोजकों को आयोजन से पूर्व प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय बैठक करना अनिवार्य होगा तथा कार्यक्रम स्थल की क्षमता के अनुसार ही भीड़ की अनुमति दी जाएगी।

भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त बैरिकेडिंग, अलग–अलग प्रवेश एवं निकास द्वार, आपातकालीन निकासी व्यवस्था, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सीसीटीवी कैमरे, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और बैकअप पावर की व्यवस्था को अनिवार्य बताया गया। जिला पदाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि सभी कार्यक्रम स्थलों का सुरक्षा ऑडिट कराया जाए और निकास मार्ग, आपातकालीन रास्ते, संकीर्ण मार्ग, ढलान, सीढ़ियों एवं अतिक्रमण की स्थिति की जांच कर उसे व्यवस्थित किया जाए। भीड़ प्रबंधन के लिए लोगों को छोटे–छोटे समूहों में नियंत्रित प्रवेश, वेटिंग एरिया की व्यवस्था तथा अत्यधिक भीड़ की स्थिति में सूचना प्रसारण के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) को सभी अधिकारियों एवं कर्मियों का समय–समय पर प्रशिक्षण कराने का निर्देश दिया गया, ताकि आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखना आवश्यक है। साथ ही आपातक. ालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए क्यूआरटी (Quick Response Team) को सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी आयोजन स्थल पर अवैध अतिक्रमण, ठेला, दुकान या अन्य अवरोधक संरचनाएं नहीं रहने दी जाएंगी। आपातकालीन वाहनों के निर्बाध आवागमन के लिए विशेष मार्ग निर्धारित किए जाएंगे। अंत में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे स्थानीय स्तर पर आयोजन समितियों के साथ नियमित बैठक कर समन्वय बनाए रखें और सभी आवश्यक दिशा–निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी स्थिति में जनहानि की घटना न हो।

नालंदा में गैस आपूर्ति पर बड़ी बैठक– एलपीजी पर्याप्त, हर घर PNG कनेक्शन पर प्रशासन का जोर

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट चंडी (नालंदा)। नालंदा जिले में घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था को लेकर बुधवार को जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों के साथ गैस आपूर्ति, अवसंरचना विकास और चल रही परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में तेल विपणन कंपनियों के जिला नोडल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में एलपीजी घरेलू गैस सिलिंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और खपत के अनुरूप निर्बाध आपूर्ति जारी है। वर्तमान में तीनों कंपनियों की कुल 54 एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 9723 घरेलू एलपीजी सिलिंडर उपभोक्ताओं तक पहुंचाए जा रहे हैं। जिला पदा. धिकारी ने बताया कि विभागीय नियमों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में 25 दिनों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों के भीतर गैस रिफिल के लिए आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि निर्धारित समयसीमा का पालन करें और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। बैठक के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र, राजगीर और सिलाव में पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है। जिला प्रशासन ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में PNG कनेक्शन लेने का अनुरोध किया है। इसके लिए जल्द ही विशेष कैंप भी लगाए जाएंगे।

इंडियन ऑयल अदानी गैस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा "हर घर पीएनजी अभियान" के तहत जिले में 24×7 प्राकृतिक गैस आपूर्ति की जा रही है। यह सेवा घरेलू एवं व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बताई जा रही है। बिहारशरीफ, राजगीर और सिलाव के कई क्षेत्रों में PNG आपूर्ति शुरू हो चुकी है। PNG कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं को आधार कार्ड और बिजली बिल की आवश्यकता होगी। बिलिंग प्रक्रिया द्विमासिक होगी और उपभोक्ता IOAGPL SUVIDHA APP के माध्यम से या डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म जैसे G&Pay और चैवदमच्म से भुगतान कर सकते हैं। गैस आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम (टोल फ्री नंबर–06112–233168) संचालित किया जा रहा है। 31 मार्च 2026 तक प्राप्त 352 शिकायतों में से 340 का समाधान किया जा चुका है। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि गैस आपूर्ति और संबंधित परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्हा. ेने चेतावनी दी कि एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग में संलिप्त पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

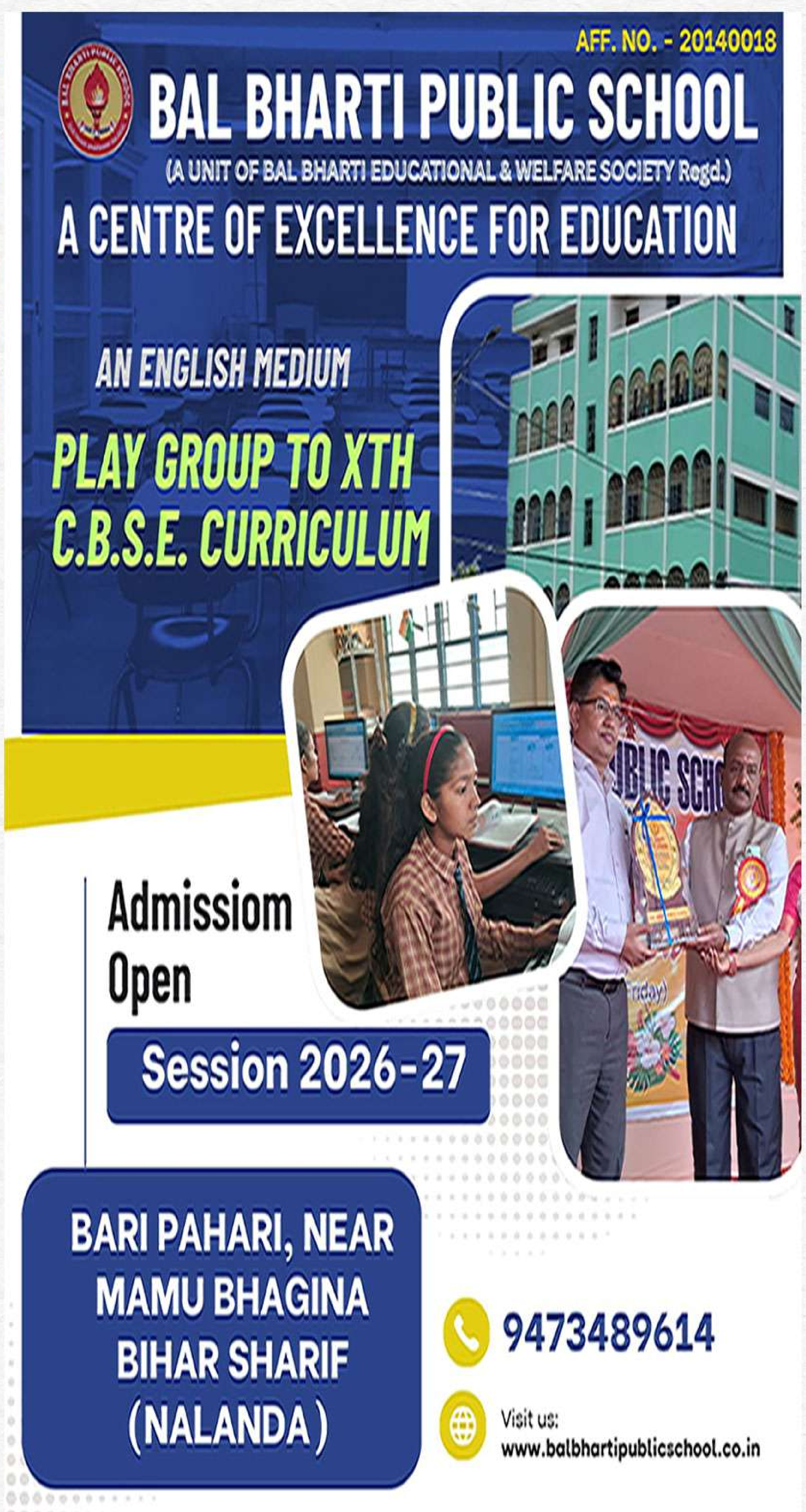

पीड़िता से मिले माले–ऐपवा नेता, न्याय के लिए 2 अप्रैल को बिहारशरीफ में प्रतिवाद मार्च का ऐलान

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोट बिहारशरीफ(नालंदा)। नूरसराय प्रखंड में महिला के साथ हुई छेड़छाड़ और गैंगरेप की कोशिश की घटना को लेकर भाकपा–माले और महिला संगठन ऐपवा के नेताओं की एक टीम ने गांव पहुंचकर पीड़ित महिला और ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान पीड़िता ने आपबीती सुनाई, लेकिन वह बेहद डरी और सहमी हुई नजर आई। जानकारी के अनुसार, 26 मार्च 2026 को गांव के कुछ दबंगों ने मेहनत–मजदूरी कर जीविकोपार्जन करने वाली अति पिछड़े समुदाय की एक महिला के साथ सरेआम छेड़छाड़ और गैंगरेप की कोशिश की थी। महिला के शोर मचाने पर वह किसी तरह अपनी जान बचाकर घर पहुंची। मामला दर्ज कराने के बाद आरोपियों ने घटना का वीडियो वायरल कर पीड़िता और उसके परिवार को लगातार प्रताड़ित करना शुरू कर दिया, जिससे पूरा परिवार भय के माहौल में जी रहा है। माले और ऐपवा नेताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सभी दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर स्पीडी ट्रायल के जरिए सख्त सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।नेताओं ने घोषणा की कि 2 अप्रैल को जिला मुख्यालय बिहारशरीफ में दोषियों की गिरफ्तारी, स्पीडी ट्रायल और पीड़िता की सुरक्षा की मांग को लेकर प्रतिवाद मार्च निकाला जाएगा। पीड़िता से मिलने वालों में माले जिला सचिव कामरेड श्रीनिवास शर्मा, प्रखंड सचिव नूरसराय कामरेड मकसूदन शर्मा, ऐपवा जिला अध्यक्ष कामरेड गिरिजा देवी, जिला कमेटी सदस्य कामरेड रेणु देवी तथा इनौस जिला अध्यक्ष कामरेड वीरेश कुमार सहित अन्य नेता शामिल थे। नेताओं ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था में महिलाओं, छात्राओं और कमजोर वर्गों पर हमले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो गया है और आम लोग, खासकर महिलाएं, छात्राएं, दलित और गरीब वर्ग, खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने मज. दूरों, किसानों, छात्रों, युवाओं और महिलाओं से अपील की कि वे एकजुट होकर न्याय और अधिकार की लड़ाई को मजबूत करें तथा प्रतिवाद मार्च में बड़ी संख्या में भाग लें।

मलमास मेला के पहले कुंडों की हो सफाई – स्वामी विवेक मुनि जी

मलमास मेला के पहले बंद पड़े कुंडों को चालू व सफाई करवाये प्रशासन – संत दिलीप योगीराज

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय विश्वकर्मा महाशक्ति पीठ न्यास के अध्यक्ष संत स्वामी दिलीप योगीराज व बड़ी संगत के महामंडलेश्वर संत स्वामी विवेक मुनि जी ने बुधवार को एसडीओ से मिलकर राजगीर के 9 कुंड के रास्ता व सफाई को लेकर ज्ञापन सौंपा। संत दिलीप योगीराज ने कहा कि राजगृह धाम अति प्राचीन, वैदिक, धार्मिक, ऐतिहासिक व भारतीय संस्कृति का आस्था का केन्द्र है। यहां के 22 कुंड स्नान के लिए प्रमाणिक हैं। भारत एवं विश्व का मात्र राजगीर ही ऐसा स्थल है जहां पर 22 कुंड पांच पहाड़ियों से घिरा हुआ है और यहां पर नदियों का संगम है। मलमास मेला शुरू होने वाला है। उस दौरान यहां के कुंडों में स्नान का महत्व बढ़ जाता है। ऐसे में अहिल्या कुंड, गौरी कुंड, शीतल कुंड, व्यास कुंड, अनंत कुंड, गंगा–यमुना कुंड, दुखहरणी कुंड, शालीग्राम कुंड व भरत कुंड बंद हो चुके हैं।

बड़ी संगत के महामंडलेश्वर विवेक मुनि जी ने कहा कि इन कुंडों तक जाने के रास्ते व कुंडों की सफाई मलमास मेला के पहले होनी चाहिए। इससे इसकी पहचान बनेगी। आने वाले श्रद्धालुओं को इन कुंडों में स्नान का लाभ मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री, जिलाधिक. ारी, सांसद, नगर परिषद के कार्यपालक सहित अन्य से भी इन कुंडों की सफाई करवाने की बात कही। कहा कि तीन साल पर लगने वाले मलमास मेला में लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। ऐसे में यहां आने वाले लोगों को बेहतर सेवा देना हम सबों का दायित्व बनता है। इस दौरान देश के कोने–कोने से संत, साधु भी आते हैं। उनके रहने के लिए भी प्रशासन बेहतर व्यवस्था करे।

नालंदा में शर्मनाक वारदातः महिला से छेड़छाड़ का वीडियो वायरल, 6 और आरोपी गिरफ्तार

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र के एक गांव से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक महिला के साथ छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने बताया कि घटना 26 मार्च की है। पीड़िता किराने की दुकान से सामान लेकर अपने घर लौट रही थी, तभी गांव के कुछ युवकों ने रास्ते में घेरकर उसके साथ जबरन छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला द्वारा विरोध और शोर मचाने पर आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ दिए और अमानवीय व्यवहार किया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने इस शर्मनाक घटना का वीडियो भी बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में आरोपी महिला के साथ अभद्र व्यवहार करते और गालियां देते नजर आ रहे हैं। मामला सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद मंगलवार रात छा. पेमारी कर छह अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों में शैलेश कुमार, दशरथ चौधरी, रंजन पासवान, सचिन कुमार, डोमन पासवान और सोनू कुमार शामिल हैं। एसपी ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा।

हरनौत बाजार के चंडी रोड में स्थित एक निजी मैरिज हॉल में मैट्रिक परीक्षा में सफल छात्र एवं छात्राओं के बीच पुरस्कार वितरण समारोह का किया गया आयोजन

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत बाजार के चंडी रोड में स्थित गुरुकुल कोचिंग सेंटर के द्वारा एक निजी मैरिज हॉल में बुधवार को मैट्रिक की परीक्षा में सफल छात्र एवं छात्राओं के बीच पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। वही कार्यक्रम में शामिल मुख्य अतिथि नगर पंचायत हरनौत के उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंह को कोचिंग संचालक राजेश कुमार के द्वारा अंग वस्त्र एवं माला पहनकर स्वागत किया गया। । कोचिंग के संचालक राजेश कुमार ने बताया कि गुरुकुल कोचिंग सेंटर से इस बार कुल 25 छात्र एवं छात्राओं ने मेट्रिक बोर्ड की परीक्षा दिया था जिसमें सभी विद्यार्थी अच्छे अंक प्राप्त कर सफल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 463 अंक लाकर अमन विराट कुमार पहले स्थान पर प्राप्त किया। 443 अंक लाकर मौसम कुमारी दूसरे नंबर हासिल किया। जबकि 438 नंबर लाकर पवन कुमार तीसरे स्थान प्राप्त किए।पुरस्कार वितरण समारोह में कुल 16 छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया है। सभी सफल छात्र एवं छात्राओं को माला, कॉपी, कलम, किताब, मोमेंटो एवं मैडल देखकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से न सिर्फ बच्चों को उनके शैक्षिक प्रदर्शन की जानकारी दी गई बल्कि उन्हें बेहतर शिक्षा अनुशासन और संस्क. ारों के साथ–साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित भी किया गया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंह ने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और यही बच्चों के उज्जवल भविष्य की आधारशिला बनती है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं जीवन की पहली महत्वपूर्ण सीधी होती है यह सफलता आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि हरनौत प्रखंड क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थी देश और प्रदेश का भविष्य है इस सफलता के पीछे माता–पिता और शिक्षकों का बड़ा योगदान होता है। उन्होंने सभी छात्र एवं छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दी। वही कार्यक्रम में मौजूद कई शिक्षकों विद्यार्थी को संबोधित करते हुए मोबाइल से दुरुपयोग के बारे में जानक. ारी साझा किया। उन्होंने छात्रों को यह भी समझाया कि आईटीआई ,नीट एवं सरकारी नौकरी के अलावा भी कई नए क्षेत्र हैं जहां बेहतर भविष्य बनाया जा सकता है। असफलता से निराश न होकर धैर्य और मेहनत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। वही मौके पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शिशुपाल कुमार,एवं संतुनी कुमार,शंकर कुमार,विक्की कुमार,गुड्डू ,बिन्नी,गोविन्द,तरुण,बल्लम, समेत सैकड़ो छात्र एवं छात्राएं मौजूद थे।

पागल कुत्तों के आंतक से गांव वाले परेशान

छोटे बच्चे व बच्चियों को शिकार बना रहे पागल कुत्ते

ग्रामीणों ने पागल के कुत्ते से बचाव के लिए प्रशासन से लगायी गुहार

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। नगर परिषद राजगीर के हिन्दुपुर गांव में पागल कुत्ता के काटने से श्रीकांत राम की 9 वर्षीय पुत्री आरूषी कुमारी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। चिंताजनक स्थिति को देखते हुए उसे पावापुरी अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बारे में शिक्षक संजय कुमार ने बताया कि राजगीर स्टेडियम में बहुत सारे पागल कुत्ता है जो अक्सर गांव में घुस जाता है। लोगों को आये दिन जख्मी कर देता है। इन पागल कुत्तों के डर से गांव में काफी दहशत है। कब यह छोटे बच्चे को ले भागे इसका डर बना रहता है। बुधवार को ऐसा ही एक दर्दनाक घटना घटी। तीन पागल कुत्ते ने मिलक एक बच्ची के उपर हमला बोल दिया और उसे जमीन से घसीटते हुए ले जाने लगा। अचानक किसी की नजर बच्ची पर पड़ी और लोगों ने पागल कुत्तों की चंगुल से बच्ची को किसी तरह से बचाया। अभी बच्ची पावापुरी अस्पताल में जिंदगी औ मौत से जूझ रही है। लोगों ने जिला व अनुमंडल प्रशासन से इन पागल कुत्तों के बचाव कराने के लिए गुहार लगाई है। कहा कि स्टेडियम में ऐसे पागल कुत्तों को पकड़कर मारा जाय।

मघड़ा मंदिर भगदड़ के बाद धार्मिक न्यास बोर्ड सख्त, अध्यक्ष ने माना प्रबंधन की चूक

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। मघड़ा स्थित शीतला माता मंदिर में मंगलवार को हुई भगदड़, जिसमें 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी, के बाद बुधवार को बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर रणवीर नंदन ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर माना कि इस हादसे में प्रबंधन स्तर पर गंभीर चूक हुई है। मंदिर पहुंचकर अध्यक्ष ने सबसे पहले मृत श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मां शीतला के दरबार में जिन श्रद्धालुओं ने प्राण त्यागे हैं, उन्हें माता मोक्ष प्रदान करें। दौरे के दौरान उन्होंने मंदिर के वर्तमान प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोजकों को अपनी प्रबंधन क्षमता का बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि बदलते धार्मिक माहौल में मंदिरों में श्रद्धालुओं, खासकर युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में आयोजकों को पहले से यह योजना बनानी चाहिए कि बड़ी भीड़ को कैसे नियंत्रित किया जाए। अध्यक्ष ने कहा कि चाहे 200, 500 या 1000 श्रद्धालु हों, हर स्थिति के लिए प्रभावी भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मघड़ा शीतला मंदिर फिलहाल धार्मिक न्यास बोर्ड के तहत

पंजीकृत नहीं है, लेकिन कानूनन राज्य के सभी मठों और मंदिरों की सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी बोर्ड की है।उन्होंने घोषणा की कि इस हादसे के बाद मंदिर के संचालन को व्यवस्थित करने के लिए ठोस निर्णय लिए जाएंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। स्थानीय लोगों और प्रशासन के सहयोग से बेहतर प्रबंधन व्यवस्था लागू की जाएगी। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने कहा कि सनातन धर्म प्रतिशोध नहीं बल्कि क्षमा में विश्वास करता है। उन्होंने मां शीतला से प्रार्थना की कि जिन लोगों की लापरवाही से यह घटना हुई है, उन्हें सद्बुद्धि प्रदान करें, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी की पुनरावृत्ति न हो।

मघड़ा मंदिर में मौत का मंजर– भगदड़ में 8 महिलाएं की जान गई, 4 पुजारी गिरफ्तार, थानाध्यक्ष सस्पेंड

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। दीपनगर थाना क्षेत्र के मघड़ा गांव स्थित शीतला माता मंदिर में मंगलवार को हुई भीषण भगदड़ में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में 8 महिलाएं शामिल हैं, जबकि एक पुरुष की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। इस घटना के बाद पूरे जिले में शोक की लहर है। घटना चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार की है, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पूजा–अर्चना के लिए पहुंचे थे। भीड़ अचानक बेकाबू हो गई और देखते ही देखते भगदड़ की स्थिति बन गई। इस दौरान कई लोग एक–दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जिससे दम घुटने और दबने से 9 लोगों की जान चली गई। हादसे के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए मंदिर के 4 पुजारियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार पुजारियों में अनुज कुमार पांडे, अवधेश कुमार मिश्रा, विवेकानंद पांडे और निरंजन कुमार पांडे शामिल हैं। वहीं दीपनगर थानाध्यक्ष को भी लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष समेत 20 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रशासन का मानना है कि भीड़ प्रबंधन में भारी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। इस बीच प्रोफेसर रणवीर नंदन, अध्यक्ष, बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह घटना प्रबंधन स्तर पर गंभीर चूक का परिणाम है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मंदिर का पंजीकरण और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा।इधर, घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भगदड़ का भयावह मंजर दिखाई दे रहा है। वीडियो में कई महिलाएं जमीन पर पड़ी नजर आ रही हैं और लोग उन्हें उठाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ लोग एक–दूसरे को संभालने के बजाय आगे बढ़ने के लिए धक्का देते भी दिख रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ महिलाएं बांस की बैरिकेडिंग पकड़कर खुद को बचाने का प्रयास कर रही थीं। आसपास मौजूद लोग चिल्लाते हुए एक–दूसरे को हिम्मत देने और मदद करने की अपील कर रहे थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद मौके पर पर्याप्त पुलिस बल और प्रशासनिक व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण स्थिति अनियंत्रित हो गई। यह हादसा एक बार फिर धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

मघड़ा मंदिर भगदड़– आस्था के बीच मातम, 60 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत

केशववाणी रानी सिन्हा की रिपोर्ट इस्लामपुर (नालंदा)। आस्था और श्रद्धा के बीच उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उस समय चीख–पुकार और मातम में बदल गई, जब मां शीतला के दर्शन करने गई एक महिला की मघड़ा में मची भगदड़ में दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना ने न केवल एक परिवार की खुशियां छीन लीं, बल्कि पूरे इलाके को गहरे सदमे में डाल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस्लामपुर थाना क्षेत्र के मुजफरा गांव निवासी 60 वर्षीय देवती देवी गांव की चार अन्य महिलाओं के साथ मां शीतला के दर्शन के लिए मघड़ा स्थित मंदिर गई थीं। उस दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। सुबह से ही दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी थीं और समय बीतने के साथ भीड़ बेकाबू होती चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मंदिर के मुख्य द्वार के समीप अचानक भीड़ का दबाव बढ़ गया। इसी दौरान अफरा–तफरी मच गई और देखते ही देखते भगदड़ की स्थिति बन गई। लोग एक–दूसरे पर चढ़कर निकलने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान देवती देवी भी भीड़ में फंस गईं और गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जख्मी अवस्था में उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अत्यधिक दबाव और दम घुटने के कारण उनकी मौत हुई। बताया जाता है कि देवती देवी एक साधारण और मेहनतकश महिला थीं, जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करती थीं। उनके पति महेंद्र साव के साथ किसी तरह घर चलता था। परिवार के पास खेती योग्य जमीन नहीं है और महज डेढ़ डिसमिल जमीन पर बने घर में वे अपने दो पुत्रों के साथ रहती थीं। छोटे पुत्र लालमोहन पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि बड़ा पुत्र विजय कुमार मजदूरी करता है। इस असमय मौत से परिवार पर आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही पूरे मुजफरा गांव में मातम छा गया। जब शव गांव पहुंचा तो परिजनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो उठा। महिलाओं का रो–रोकर बुरा हाल था और ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था नहीं थी। यदि समय रहते नियंत्रण के प्रभावी उपाय किए जाते, तो इस तरह की घटना को टाला जा सकता था। लोगों ने भविष्य में ऐसे आयोजनों में पर्याप्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। घटना के बाद अतिपिछड़ा अनुसूचित जाति जनजाति विकास मंच के संयोजक सह जिला बीस सूत्री सदस्य धर्मेंद्र चौहान एवं भाजपा नेता नीरज कुमार के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। साथ ही राज्य सरकार से मृतका के एक पुत्र को सरकारी नौकरी देने की मांग की गई है। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता दिलाने की प्रक्रिया की बात कही जा रही है। यह दर्दनाक हादसा एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत है और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा।